



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 61+3 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 61+3 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 1130489
अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Maitreya Kumar
Shukla.

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

HINDI

तारीख
Date

27/08/2023

**सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)**

केंद्र
Centre 09 - BHOPAL.

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

| | <p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p> | <p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p> |
|---|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 1 | <p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p> | <p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p> |
| 2 | <p>अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p> | <p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p> |
| 3 | <p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p> | <p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p> |
| 4 | <p>उत्तर अस्पष्ट अथवा मंड़ी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p> | <p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p> |
| 5 | <p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p> | <p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p> |
| 6 | <p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p> | <p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p> |
| 7 | <p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p> | <p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p> |
| 8 | <p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p> | <p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p> |

| | |
|----------------------------------------------------------|---------------------------------------------|
| कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use | कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use |
| <p>परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)</p> | |

प्रासांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

| प्रश्न सं. Q. No. | अंक Marks | | प्रश्न सं. Q. No. | अंक Marks | |
|------------------------------------------|--------------|--|----------------------------|--------------|--|
| 1(a) | | | 6 (a) | | |
| 1(b) | | | 6 (b) | | |
| 2(a) | | | 7 | | |
| 2(b) | | | 8 | | |
| 3(a) | | | 9 | | |
| 3(b) | | | 10 | | |
| 3(c) | | | 11 | | |
| 4(a) | | | 12 | | |
| 4(b) | | | | | |
| 5 | | | | | |
| उप-योग (A) Subtotal (A) | | | उप-योग (B) Subtotal (B) | | |
| सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B) | | | | | |



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: तीन घंटे

Time Allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250

Maximum Marks: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बारह प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

There are TWELVE questions divided in TWO SECTIONS and printed both, in HINDI and in ENGLISH.

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

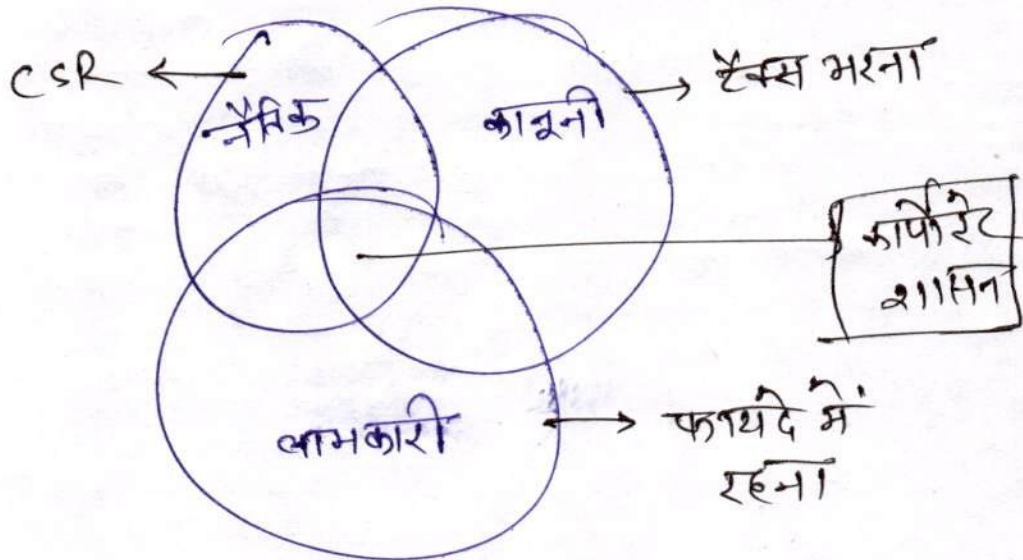
1. (a)

आगामी वर्षों में प्रभावी कॉर्पोरेट गवर्नेंस को लागू करने के लिए, ESG (पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस) मैट्रिक्स को बहु-हितधारक दृष्टिकोण के साथ एकीकृत करना क्यों महत्वपूर्ण है? ऐसे एकीकरण से क्या लाभ हो सकते हैं? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

For effective corporate governance to take place in the coming years, why is it important to integrate the ESG (Environmental, Social, and Governance) metrics with the multi-stakeholder approach? What benefits can be accrued by such integration? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस लिफाफे में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कॉर्पोरेट शासन का उद्देश्य तीन बख्तों की प्राप्ति है -



| ESG | बहुहितधारक |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p>↳ शासन का उद्देश्य केवल लाभ नहीं है।</p> <ul style="list-style-type: none"> पर्यावरण संरक्षण समाज का हित नैतिक शासन | <p>↳ शक्ति का केंद्रीकरण नहीं</p> <ul style="list-style-type: none"> कई शेयरहोल्डर्स MNO CSO अलग |

एकीकरण से लाभ -

① कुद ही बीगों का हित < व्यापक हित

↳ कर्मचारी व समाज के लाभ पर ध्यान।

② पर्यावरण संरक्षण = - भविष्य में सर्वकम

↳ हीटवेव से 8 करोड़ नौकरियां जाएंगी।

③ समाज का हित = कंपनी का हित

↳ अनुकूल वातावरण, कुशल कर्मचारी।
↳ प्रोडक्ट बिक्री ↑↑

④ नैतिक शासन → कर्मचारी हित

→ हर हितधारक की रक्षा

→ अच्छी कार्य संस्कृति

→ लाभकारी कंपनी

कार्पोरेट शासन को सही
माथने में जवाब बनाने के लिए

ESG व बहुहितधारक दृष्टिकोण

का एकीकरण समय की आवश्यकता

है।

1. (b) भ्रष्टाचार के कृत्यों में, मुख्य ध्यान केवल इसके मांग पक्ष अर्थात् निजी लाभ के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने वाले सार्वजनिक अधिकारियों पर होता है। वहीं प्रायः आपूर्ति पक्ष पर कम ध्यान दिया जाता है। वे लोग जो रिश्त देते हैं उन्हें कभी-कभी निर्दोष पक्षकार और चालाक लोक सेवकों की जबरन वसूली क्रिया के शिकार के रूप में चित्रित किया जाता है। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि 'मिलीभगत से संचालित भ्रष्टाचार', जिसमें स्वेच्छा से रिश्त देने वाला भी शामिल होता है, भ्रष्टाचार से निपटने वाली संस्थाओं के लिए एक विकट चुनौती है? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In acts of corruption, the focus is often only on the demand side of the equation, on public officials who abuse their office for private gain. Frequently, the supply side is given less attention. Those who pay bribes are sometimes depicted as innocent parties and victims of extortionary practices of wily public servants. Do you agree that 'collusive corruption', in which there is a willing bribe-giver, is a formidable challenge for institutions fighting corruption? (Answer in 150 words) 10

११ "समाज में जिसका सम्मान दिया जाता है, वही उगाया जाता है।" (लेटो)
अतः भ्रष्टाचार के होने का एक कारण इसकी सामाजिक मांग भी है।

भ्रष्टाचार का
मांग पक्ष

भ्रष्टाचार का
आपूर्ति पक्ष

→ आर्थिक लाभ की इच्छा से
→ सामाजिक सम्मान हेतु ज्यादा धन हेतु सहयोगियों के दबाव में।
→ कमजोर कानून

→ जल्दी कार्य करवाने की इच्छा।
→ इन पर ध्यान न दिया जाना।
→ सामाजिक निषेध मान लिया जाना

कुर्नोती

1) ब्रह्मजोर परिभाषा

↳ 2nd ARC ने अष्टाचार की परिभाषा व्यापक करने का सुझाव दिया था।

2) समाज में स्वीकृति = 'निधमो', 'कामूनो' का प्रयोग नहीं।

↳ सिटीजन चार्टर

3) पारदर्शिता उपायों का प्रभावी क्रियान्वयन न किया जाना।

↳ RTI के तहत 3 लाख शिकायतें पेंडिंग

4) प्रशासन में अत्यधिक कुरा की भावना

↳ अनुच्छेद 311

"अष्टाचार अगर एक रोग है,
तो पारदर्शिता ही इसकी दवा है।"
(कीकी अन्नान)।

उम्मीदवारों को
इस हार्गि में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

2. (a)

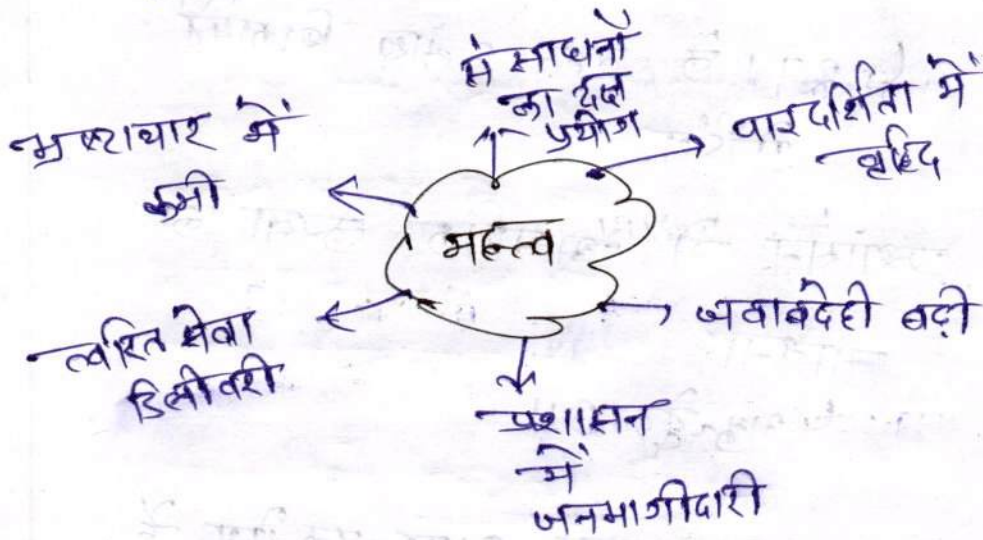
नागरिक चार्टर पहल उन समस्याओं के समाधान हेतु दीर्घकाल से जारी खोज की प्रतिक्रिया थी, जिनका सामना एक नागरिक को सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने वाले संगठनों के साथ जुड़ते समय प्रतिदिन करना पड़ता था। लेकिन भारत सरकार में नागरिक चार्टर की शुरुआत और कार्यान्वयन पुरानी नौकरशाही व्यवस्था एवं कार्यबल के कठोर रवैये के कारण मुश्किल रहा है। नागरिक चार्टर पहल को लागू करने में आने वाली प्रमुख बाधाओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The Citizens' Charters initiative was a response to the quest for solving the problems, which a citizen encountered, day in and day out, while dealing with the organisations providing public services. But the introduction and implementation of Citizens' Charters in the government of India has been difficult due to the old bureaucratic set up and the rigid attitudes of the work force. Discuss the major obstacles that have been encountered in implementing the Citizens' Charter initiative. (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस इच्छा में नहीं लिखना चाहिए। Candidates must not write on this margin

10

नागरिक चार्टर, उल्लेख संगठन द्वारा दी जाने वाली सेवाओं, ग्राहक की प्रक्रिया व शिकायत निवारण तंत्र की जानकारी, प्रदर्शित करने वाला बोसणापत्र होता है।



बाधाएं -

1) लागू करने में -

① कानूनी मान्यता नहीं (जैसे - RTI)

५२०१० में विधेयक पास न हो सका।

② 'डई सारे सरकारी कार्यालयों' में नहीं लागू किया गया।

③ निजी कंपनियों सामान्यतः, स्वयं को 'दामरे' से बाहर समझती हैं।

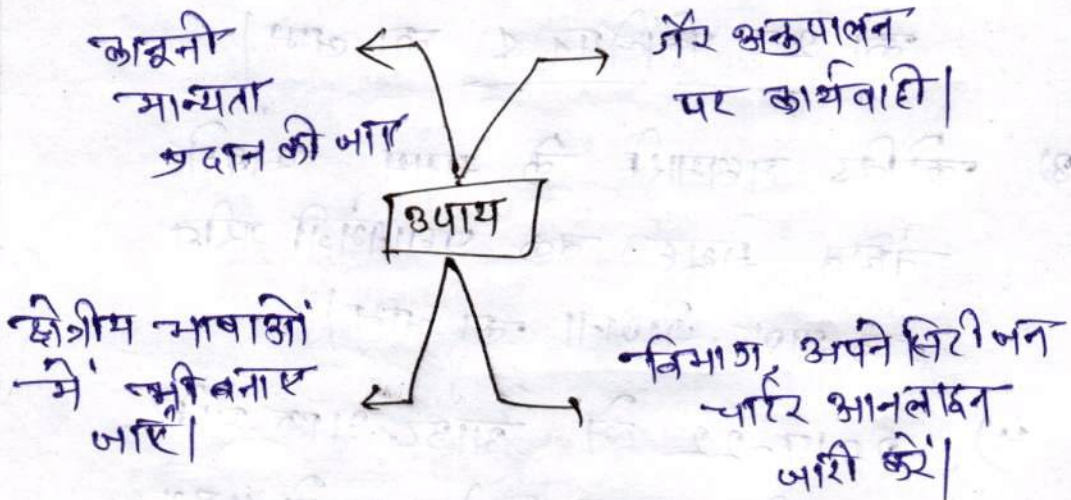
2) क्रियान्वयन में -

① डिजाइन संबंधी -

- क्षेत्रीय भाषाओं में न बनाना।
- शिकायत निवारण तंत्र की जानकारी नहीं।
- जटिल प्रक्रियाएं बताना।

② जन जागरुकता -

- जागरुकता कार्यक्रम नहीं चलाना।
- शिकायत निवारण तंत्र स्थापित ही न करना।



सिटीजन चार्टर का प्रभावी

क्रियान्वयन सुशासन का अनिवार्य पहलू है।

2. (b)

सार्वजनिक सेवा वितरण की गुणवत्ता वर्ग, जाति, धर्म आदि के आधार पर विभाजित अत्यधिक विषमतापूर्ण समाज में कमजोर वर्गों के जीवन की गुणवत्ता का एक प्रमुख निर्धारक है। इस पृष्ठभूमि में, क्या आपको लगता है कि भारत में कमजोर वर्गों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सार्वजनिक सेवा वितरण कुशल और पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Quality of public service delivery is a major determinant of the quality of life of vulnerable sections in a highly unequal society divided along the lines of class, caste, religion, etc. In this background, do you think that public service delivery is efficient and sufficient enough to improve the lives of vulnerable groups in India? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

सार्वजनिक सेवा वितरण से नाबर्क,
सरकारी सेवाओं को लक्षित समूहों
तक पूर्ण दक्षता व ईमानदारी के
साथ पहुंचाना है।

सार्वजनिक सेवा वितरण की सफलताएं -

- 1) 2015-21 में 13.5 करोड़ गरीबी रेखा से बाहर आए (नीति आयोग)
- 2) अल्पकालीन स्वामित्व से सरकार को 27 बिलियन \$ का लाभ
- 3) कोविड महामारी के समय सबसे वंचित समूह तक प्रधानमंत्री शरीर कल्याण योजना का लाभ
- 4) 2017-22 में आइट अफ पाकेट सर्विस (स्वास्थ्य पर) 62 से 48% हुआ

3) प्रधानमंत्री आवास योजना (श्रीमंगल) के तहत 2.29 लाख घर

असफलताएं

उम्मीदवारों को इस क्वेश्चन में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

① प्रशासनिक मुद्दावार

↳ तमिलनाडु के मंत्री सेथिल बालाजी पर ED की रिड।

② फंड का सदुपयोग न करना

↳ जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम का केवल 40% फंड उपयोग में।

③ महात्वाकांक्षी लक्ष्य

↳ 2022 तक किसानों की आय दुगुना करना।

④ सबसे वंचित वर्ग तक न पहुंच पाया -

① सम्मिलन - कटिहरण की समस्या

② पीपीएस का केवल 60% जनता तक पहुंचना।

③ भूमि की 22% जनसंख्या भूखी।

④ रिडेन हेजर जैसी समस्याएँ।

“प्रजा सुखे सुखं यज्ञः”, प्रजानाम् च हिते हितम्

नात्प्रियं प्रियं रक्षः, प्रजानाम् तु प्रिये प्रियम्।
(चाणक्य)

यद्यद्याश्ना मानकर पूर्ण तत्परता से जनता की सेवा करनी चाहिए।

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a) "बुद्धिमान व्यक्ति अपने धन का संचय नहीं करता है। जितना अधिक वह दूसरों को देता है, उतना ही अधिक उसके पास अपने लिए होता है।" - लाओत्से (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The wise man does not lay up his own treasures. The more he gives to others, the more he has for his own." - Lao Tzu (Answer in 150 words)

10

"दूसरों की सेवा वह क्रिया है, जो हम मर्त रहने के लिए चुकती है।"

बुद्धिमान व्यक्ति इसी सिद्धांत पर चलते हुए, समाज के लिए सहायता को कार्य करते हैं।

दूसरों को धन देना -

① केवल अपनी जीविका निर्वाह के लिए धन का संचय

⇓
श्रेष्ठ समाज के कल्याण हेतु कार्य करना

महात्मा गांधी का 'न्यायिता' का सिद्धांत

"स्वर्ग स्वर्ग" समाजार्थ सर्वस्व की धारणा

दूसरों को देना = अपने पास ज्यादा होना

↳ समाज की स्वीकार्यता व सम्मान का ज्यादा होना।

CSR के तहत समाज पर खर्च =

लाभ में वृद्धि।

वर्तमान में समस्याएँ -

①↳ केवल धन संग्रह व स्वार्थ की भावना का विस्तार

↳ शून्य भस्म का धन हेतु परिवार तक लागू देना

② परिणामस्वरूप वैश्विक असमानता बढ़ना
(भारत के नीचे के 50% लोग = 3% संपत्ति)

↳ अक्षति व अपराध का बढ़ना

ब्राह्मी के इस विचार का वर्तमान के स्वार्थवादी व असमान समाज में अत्यधिक महत्व है।

3. (b) "यदि शीर्ष पर अपर्याप्त नैतिकता है, तो इस व्यवहार का संगठन में उच्च से निम्न स्तर तक अनुसरण होता है।"
 - रॉबर्ट नॉयस (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)
 "If ethics are poor at the top, that behavior is copied down through the organization." - Robert Noyce (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस कक्ष में नहीं लिखना चाहिए
 Candidates must not write on this margin

10

"सांस्कृतिक अनुकरण" की प्रक्रिया के

अनुसार, व्यक्ति अपने प्रभु का अनुसरण करने का प्रयास करता है।

किसी भी संगठन, समाज, देश में भी यदि शीर्ष पर नैतिकता का वाक्य न किया जाए तो हर स्तर पर अनैतिकता होती है।

देखा के स्तर पर -

↳ पाकिस्तान में शीर्ष पर सैन्य दबाव,
 नफरती माहौल

↓

पंजाब ~~अस~~ प्रांत में चर्च
 को तैयार दिशा गमा

सेगठन के स्तर पर →

भारतीय रेसकिंग संघ के प्रमुख पर आरोप, समय पर चुनाव नहीं

↓
नीचे गड़बड़ियाँ = अंतर्राष्ट्रीय
संघ द्वारा उचित ढंग से लगा दिया जाना

समाज के स्तर पर →

कुछ अमेरिकी नेता 'कमी - कमी, अश्वेतों से भेदभाव की बातें करते हैं'

↓
जार्ज फ्लॉयड की हत्या (फुबिस द्वारा)

सकारात्मक नजरिया -

शीर्ष पर नैतिकता (नियम पालन)

↓
नैतिक दवाव

↓
अशांति समाप्ति

↓
सुशासन

नैतिक समाज के निर्माण के लिए

हर स्तर पर हमें नैतिक होने की आवश्यकता है।

3. (c) "कानून का उद्देश्य स्वतंत्रता को समाप्त करना या सीमित करना नहीं है, बल्कि इसे संरक्षित करना और बढ़ाना है।" - जॉन लॉक (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)
- "The end of law is not to abolish or restrain, but to preserve and enlarge freedom." - John Locke
(Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

"कानून, कृपया किसी को उस
नहीं करा सकते, पर ये मेरी
हत्या होने से बचा देंगे।" (मार्तिन
लूथर किंग)

इस प्रकार कानूनों का महत्व, प्रत्येक
व्यक्ति की स्वतंत्रता को न केवल
रक्षा करना बल्कि उसे बढ़ाना है।

स्वतंत्रता का संरक्षक -

- * अधिकारों के उपयोग की स्वतंत्रता देना।
- * उल्लंघन पर न्यायपालिका की व्यवस्था (अनुच्छेद 32)
- * "आपके हाथ फैलाने की स्वतंत्रता वहीं तक है, जहाँ तक से मेरी नाक शुरु हो जाती है।"
अतः अन्य व्यक्तियों से भी स्वतंत्रता की रक्षा।

स्वतंत्रता को बढ़ाना -

* ज्यादा अधिकार देने वाले कानून बनाना

↳ ब्रिटेन में मूल अधिकार

* स्वतंत्रता कम करने वाले कानूनों को रद्द करना

* सम्य सम्राज में कम कानून = ज्यादा स्वतंत्रता

* "सम्पत्तापूर्ण सम्राज में कानून, नैतिकता के समुद्र पर तैरते हैं।"

↳ कानून = सम्य सम्राज =

नैतिक सम्राज = स्वतंत्र सम्राज

"कानून के अभाव में प्रत्येक

व्यक्ति, प्रत्येक व्यक्ति का शत्रु है।"

(थॉमस हाब्स) अतः प्रकारात्मक उद्देश्यों

हेतु उनका प्रयोग किया जाय

4. (a)

दुनिया भर में अमीर CEOs और सफल व्यवसायों के संस्थापक तेजी से अपनी संपत्ति परोपकार के लिए दान करने का वादा कर रहे हैं। क्या आपको लगता है कि ऐसा कदम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Wealthy CEOs and founders of successful businesses around the world are increasingly pledging to give away their wealth in philanthropy. Do you think that such a move is sufficient enough to bring about a positive change in the society? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस सीध में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

२००८ में बिल गेट्स ने पुंजीपतियों
से अपनी संपत्ति का पर्याप्त हिस्सा
दान करने की मांग की।

इन कदमों का महत्व →

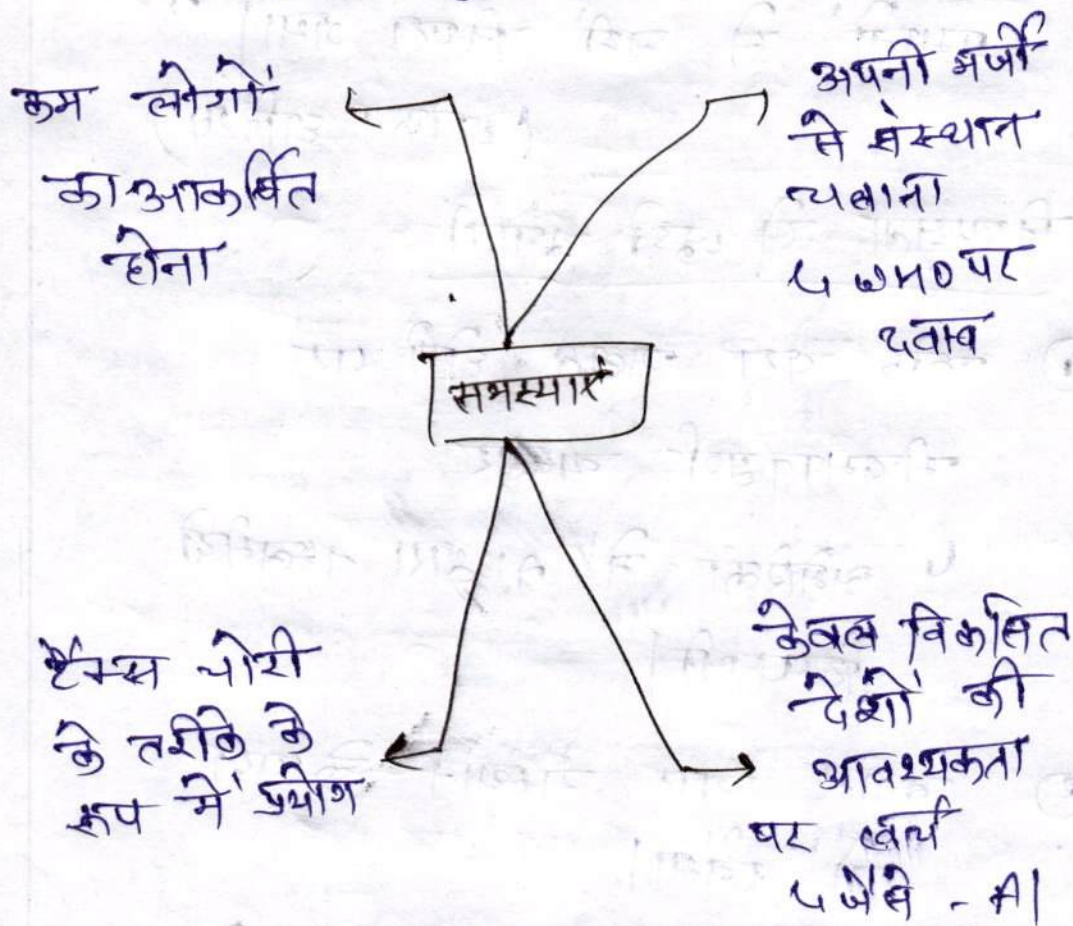
① "बहुपक्षीय संस्थानों की मजबूत बनाना = ज्यादा विकास गतिविधियों की जा सकेगी"
↳ जैसे - विश्व बैंक।

② असमानता को दूर करने में मदद।

③ विश्व स्वास्थ्य संगठन की अधिकांश फंडिंग इसी प्रकार से।

④ महाभारी या अप्रत्याशित बटनाओं
से लड़ने में मदद।
↳ जैसे - कोविड।

⑤ जलवायु परिवर्तन हेतु आवश्यक
क्रियेयन से 10 गुना कम
खर्च ही रहा है।
↳ उसे दूर कर सकते हैं।



किलेघापी को भापक घेमाने
पर प्रोत्साहित किए जाने
की आवश्यकता है।

4. (b) चूंकि दुनिया भर के संगठन अपना कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) रूपांतरण आरंभ कर रहे हैं, इसलिए AI युग में छलांग ऐसी किसी भी तकनीक की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकती है, जिससे व्यवसायों को अभी तक जूझना पड़ा है। इस पृष्ठभूमि में, निष्पक्षता, पारदर्शिता और नौकरी की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As organizations across the globe begin their artificial intelligence (AI) transformation, the leap into the AI era is expected to be more challenging than any technology that businesses have grappled with yet. In this background, discuss the concerns around fairness, transparency, and job security that may arise. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को
इस हार्जिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

११ कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव समाज की सबसे
बड़ी खोज होगी तथा संभवतः

आखिरी, अगर इसके हानिकारक

प्रभावों से नहीं निपटा गया। "

(एरिफिन टारिफिस)

निष्पक्षता से जुड़ी चुनौती -

① कीड बरा गलत होने पर

भेदभावपूर्ण व्यवहार

५ अमेरिका में AI द्वारा नस्लभेदी

दिखायी।

② बतार गए संस्थान के यक्ष

में रहेगा।

③ व्यापक वैश्विक असमानता को

और गहरा करेगा।

पारदर्शिता से जुड़ी चुनौती -

4 AI सिस्टम की कार्य करने की प्रक्रिया पर पूर्ण जानकारी नहीं।

4 भारत के श्रीरंजी ने AI तंत्रों की जान को तकनीकी विकसित करने की वकालत की थी।

नौकरी जाना -

1) नेट जीपीए द्वारा गहर, कैर क्रिएटर आदि के काम।

2) हालीक़ में AI से नौकरी सुरक्षा हेतु ब्यापक प्रदर्शन।

3) अत्यधिक कोशल = कम नौकरी
4 भारत की 52% अभ्यर्थिता ही कुशल

कृत्रिम बुद्धिमत्ता, एक क्रान्तिकारी बदलाव है पर इसके खतरों से निपटने बिना नहीं।

5. (a) शिक्षा, सामाजिक समानता और नैतिक मूल्यों पर स्वामी दयानंद सरस्वती का बल समकालीन भारत में भी सामाजिक-सांस्कृतिक विमर्श को प्रभावित करता है। उपयुक्त उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)
- The emphasis of Swami Dayanand Saraswati on education, social equality, and ethical values continues to influence the socio-cultural discourse in contemporary India. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

10

आर्य समाज के संस्थापक व स्वामी
प्रकाश के रचयिता स्वामी दयानंद
सरस्वती के आधुनिक विचार आज
भी प्रेरणादायक हैं।

शिक्षा पर विचार

- ① मातृभाषा में शिक्षा पर जोर।
- ② नयी शिक्षा नीति में भी
यही ध्यान।
- ③ स्त्री शिक्षा का समर्थन
- ④ शिक्षा प्राप्त करने को आर्य समाज
का नियम बनाया।
- ⑤ वैज्ञानिक शिक्षा पर बल
↳ गुरुकुल की जड़ी वि.वि.

सामाजिक समानता पर विचार -

- ① जातिगत भेदभाव व दुराद्वेष का विरोध।
- ② धार्मिक 'कर्मकाण्डों' का विरोध =
ब्राह्मण प्रभुत्व का विरोध।
- ③ अंतर्जातीय विवाहों की समर्थन।

नैतिक शिक्षा -

- ① माता - पिता, गुरु का सम्मान।
- ② बौद्धिक व आत्यय समानता की शिक्षा।
- ③ धरिज निर्माण पर बल।
- ④ राष्ट्रियता की भावना को प्रोत्साहना।

वर्तमान के समाज में
जब हम तमिलनाडु के अंदरों
में फुझारी हेतु जाति अनिवार्यता
समाप्त होने पर गर्व करते हैं, तो
उस विषय में दयानंद सरस्वती
के योगदान नहीं मुलाए जाने
चाहिए।

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

5. (b)

निम्नलिखित में से प्रत्येक पर 30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
Write short notes on the following in 30 words each :

2 x 5 = 10

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

(i) लोक सेवा के प्रति समर्पण

Dedication to public service

→ इसका तात्पर्य, समाज की व्यापक तौर पर तथा वंचित वर्गों की सेवा में अपना जीवन व संसाधन समर्पित कर देने से है।

उ. जे. सी. - वि. दे. श्वर पाठक ने देश भर में शुद्ध शोचालय खोले व स्वच्छता पर कार्य किया।

(ii) लोक सेवा में गैर-पक्षपात

Non-partisanship in civil service

→ मै. स. वेबर द्वारा प्रतिपादित यह विचार, राजनीति व लोकसेवा के पृथक्करण की बात करता है।



उ. जे. सी. - स्व. च. नाथ के बाद नयी सरकार के साथ इसी कल्पना से कार्य करना।

(iii) निर्णय-निर्माण में वस्तुनिष्ठता

Objectivity in decision-making

→ वस्तुनिष्ठता का तात्पर्य, निर्णय लेते समय अपने पूर्वाग्रहों, हिंसों, विचारों से तटस्थ होकर केवल तथ्यों व तर्कों के आधार पर निर्णय।

उ. जे. सी. - आम्बिक कुमार पांडे ने वास्तविक रूप उपयोग करने पर स्वयं पर धमना लगाया।

(iv) बहुलवादी समाजों में सहिष्णुता - सहिष्णुता का तात्पर्य
Tolerance in pluralistic societies

दूसरे धर्म, मत, विचार को न केवल
सहना बल्कि सम्मान करना।

4 भारत जैसे बहुलवादी समाज में यह
सर्वधर्मसमभाव की रक्षा हेतु आवश्यक

4 केवल बाद के समय मंदिरों में नमाज की अनुमति।

(v) लोक सेवा में करुणा
Compassion in public service

करुणा एक सार्वभौमिक मूल्य है,
जिसका तात्पर्य दूसरे व्यक्तियों के
दुख को समझना, महसूस करना व
मदद करने की भावना।

4 यह व्यक्ति से परे भी जा सकती है।

4 जैसे - स्पीने कक्षम द्वारा कांच की
खिड़कियां न लगवाना, ताकि पक्षी
सुरक्षित रहे।

उम्मीदवारों को
इस वॉल्यूम में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

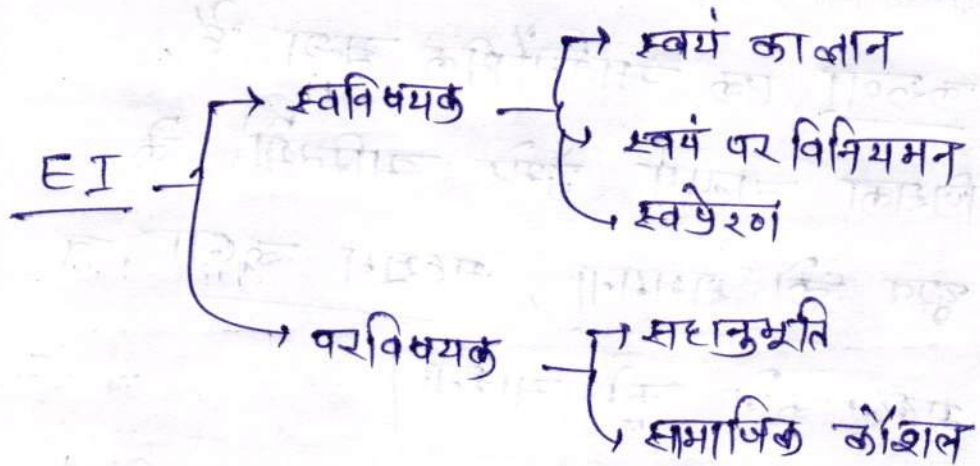
6. (a)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता केवल भावनाओं या बुद्धिमत्ता से जुड़ी नहीं हो सकती है। इसमें व्यक्तित्व संबंधी विशेषताओं की एक विस्तृत श्रृंखला भी शामिल हो सकती है जो पेशेवर और रोजमर्रा की जिंदगी में सफलता का पूर्वनिर्धारण कर सकती है। विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Emotional intelligence may not be singularly associated with emotions or intelligence. It can also include a broad range of personality characteristics that might predict success in professional and everyday life. Discuss. (Answer in 150 words)

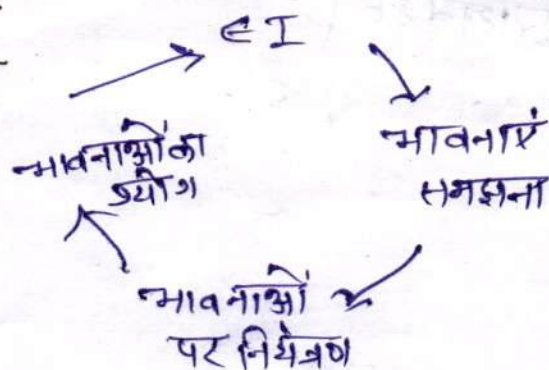
उम्मीदवारों को इस हदिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

डेनियल गीलमैन ने "भावनात्मक बुद्धिमत्ता" का अर्थ "इस कैन में र मोर देन अइस्यु" में निम्न रूप में भावनात्मक बुद्धिमत्ता को परिभाषित किया -



स्पष्ट है, EI केवल भावना या केवल बुद्धिमत्ता के दायरे से कहीं अधिक है।

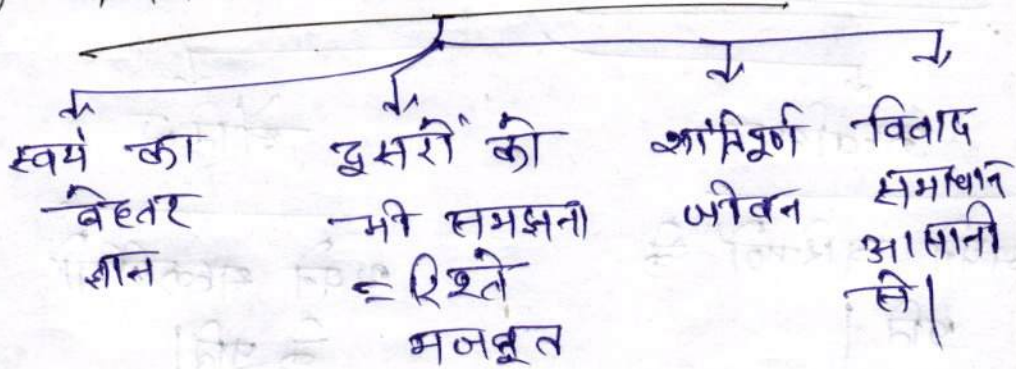
महत्व →



① पेशीवर जिंदगी में -

- ① स्वप्रेरण = लगातार पूर्ण हृदय से कार्य।
- ② स्वविनियमन = दूसरों के सामने खुद पर नियंत्रण।
- ③ दूसरों को समझना = बेहतर संवाद।
- ④ टीम भावना का निर्माण।
- ⑤ निर्णय लेने की क्षमता में वृद्धि।

② रीजमर्श की जिंदगी में -



“ भावनात्मक बुद्धिमत्ता,
हमारी भावनाओं को हमारे खिलाफ
प्रयोग होने की बजाय हमारे
पक्ष में प्रयोग करना है। ”

6. (b)

राज्य के नेतृत्व वाली जवाबदेही के पारंपरिक रूप, जिन्हें जवाबदेही की ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज प्रणालियों के रूप में भी जाना जाता है, लगातार अपर्याप्त पाई जा रही हैं और उन्हें पूरक या प्रतिस्थापित करने के लिए असंख्य बहु-हितधारक और बॉटम-अप नागरिक निर्देशित दृष्टिकोण सामने आए हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Traditional forms of state-led accountability, also characterised as vertical and horizontal channels of accountability, are increasingly found to be inadequate, and a myriad of multi-stakeholder and bottom-up citizen directed approaches have come to the fore, to supplement or supplant them. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस भाग में नही लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जवाबदेही से चतुर्भुज विकेन्द्रित शक्ति
के तहत लिए गए निर्णयों पर
जवाब देना व न देने पर दंड प्राप्ति
का भय होना, है।

पारंपरिक रूप

ऊर्ध्वाधर

अपने वरिष्ठों के प्रति।

समस्या

हर स्तर पर भ्रष्टाचार
अत्यधिक सुरक्षा =
कार्यवाही नहीं
जनता की भूमिका
ही नहीं।

क्षैतिज

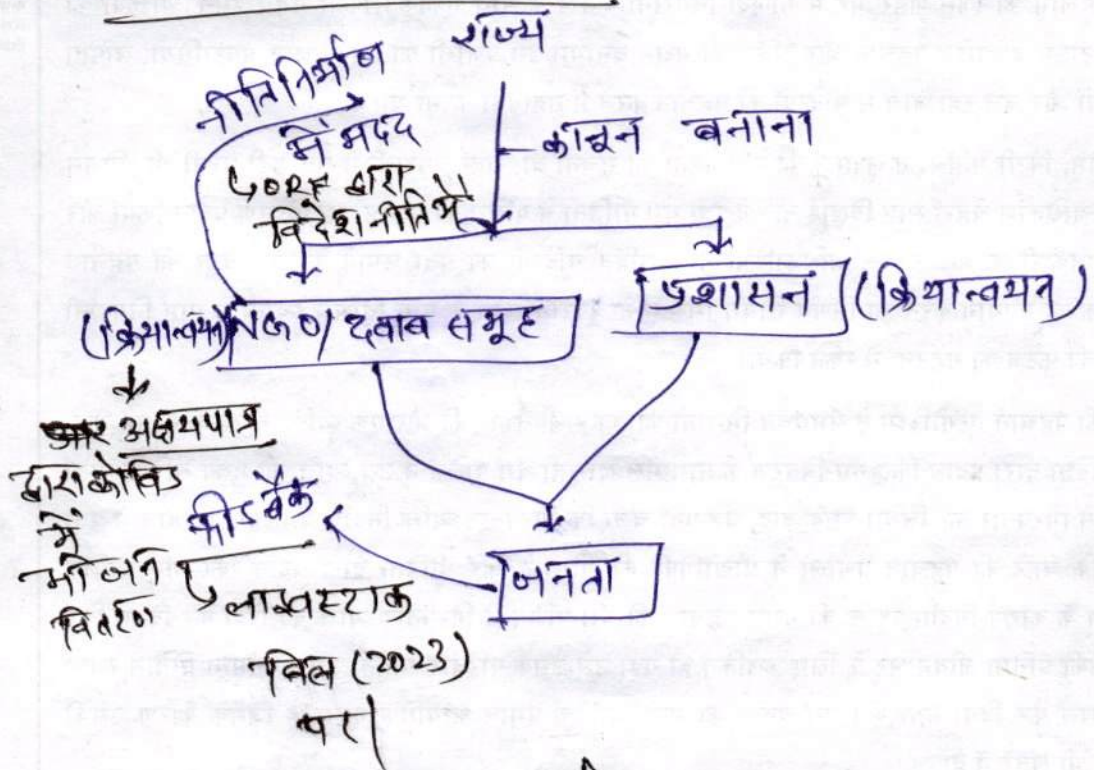
अपने सहकर्मियों के प्रति।

समस्या

सहकर्मियों का दबाव कम
दबाव में भ्रष्टाचार ही बढ़ रहा है।
जनभागीदारी नहीं।

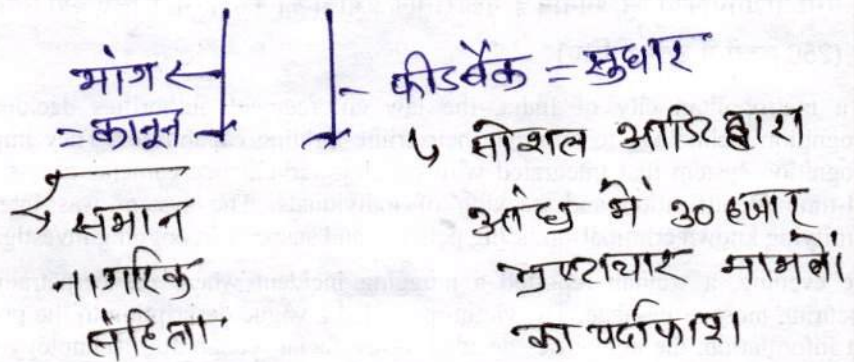
नए दृष्टिकोण -

① असंख्य दित्धारक -



② बाटम अप दृष्टिकोण

जनता (बाटम)



लोकतंत्र का आधार जवाबदेही

है, जिसे समय के साथ बेहतर बनाए जाने की आवश्यकता है।

7.

भारत के एक महानगरीय शहर में, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने अपनी अपराध-रोधी क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक को अपनाने का निर्णय लिया। उन्होंने चेहरे की पहचान की एक प्रणाली लागू की जिसे शहर भर में मौजूदा निगरानी कैमरों के साथ एकीकृत किया गया। इसने व्यक्तियों की रियल टाइम आधारित पहचान और ट्रैकिंग को सक्षम बनाया। इस प्रणाली का उद्देश्य ज्ञात अपराधियों, लापता व्यक्तियों और चल रही जांच में संदिग्धों की पहचान करने में सहायता करना था।

एक शाम, किसी महिला ने लूटपाट की एक घटना की सूचना दी, जहां अपराधी ने एक हुडी पहनी थी, जिससे उसका अधिकांश चेहरा स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहा था। पीड़िता ने पुलिस को एक अस्पष्ट विवरण प्रदान किया और उस जानकारी के आधार पर, अधिकारियों ने संभावित संदिग्धों का पता लगाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक का उपयोग करने का निर्णय लिया। सिस्टम ने अपराध स्थल के पास विभिन्न स्थानों से प्राप्त निगरानी कैमरों की फुटेज को गहनता से स्कैन किया।

चेहरे की पहचान एल्गोरिथ्म ने संभावित मिलानों की एक सूची तैयार की और एक व्यक्ति की छवि सामने आई, जो पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए विवरण के साथ मेल खा रही थी। पुलिस ने उस व्यक्ति को मुख्य संदिग्ध माना और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद, यह पता चला कि गिरफ्तार व्यक्ति निर्दोष था। आगे की जांच से पता चला कि चेहरे की पहचान प्रणाली ने प्रौद्योगिकी की सीमाओं और पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए आंशिक विवरण के कारण निर्दोष व्यक्ति की गलत पहचान की थी। पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्ति को रिहा कर दिया; फिर भी उसकी प्रतिष्ठा जीवन भर के लिए कलंकित हो गई। उसे उसके परिवार सहित, उसके वर्तमान निवास स्थान से बेदखल कर दिया गया था। इस घटना का मनोवैज्ञानिक प्रभाव अत्यधिक गहरा है जिसके कारण उसकी नौकरी भी खतरे में है।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

- इस प्रकरण में शामिल मुद्दे कौन-से हैं?
- ऐसी प्रौद्योगिकियों को अपनाने के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?
(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In a metropolitan city of India, the law enforcement authorities decided to adopt facial recognition technology to improve their crime-fighting capabilities. They implemented a facial recognition system that integrated with existing surveillance cameras across the city, allowing real-time identification and tracking of individuals. The system was intended to assist in identifying known criminals, missing persons, and suspects in ongoing investigations.

One evening, a woman reported a mugging incident where the perpetrator wore a hoodie, obscuring most of his face. The victim provided a vague description to the police, and based on that information, the authorities decided to use facial recognition technology to locate potential suspects. The system scanned through hours of surveillance footage from various locations near the crime scene.

The facial recognition algorithm generated a list of potential matches, and one individual's image stood out as a close match to the description provided by the victim. The police considered this individual a prime suspect and proceeded with his arrest. Subsequently, it was discovered that the arrested person was innocent. Further investigation revealed that the facial recognition system had misidentified the innocent individual due to the limitations of the technology and the partial description provided by the victim. The police released the arrested individual; still his reputation got tarnished for life. He, along with his family, was evicted from their current place of residence. The psychological impact of the incident has been tremendous owing to which his job is also on the line.

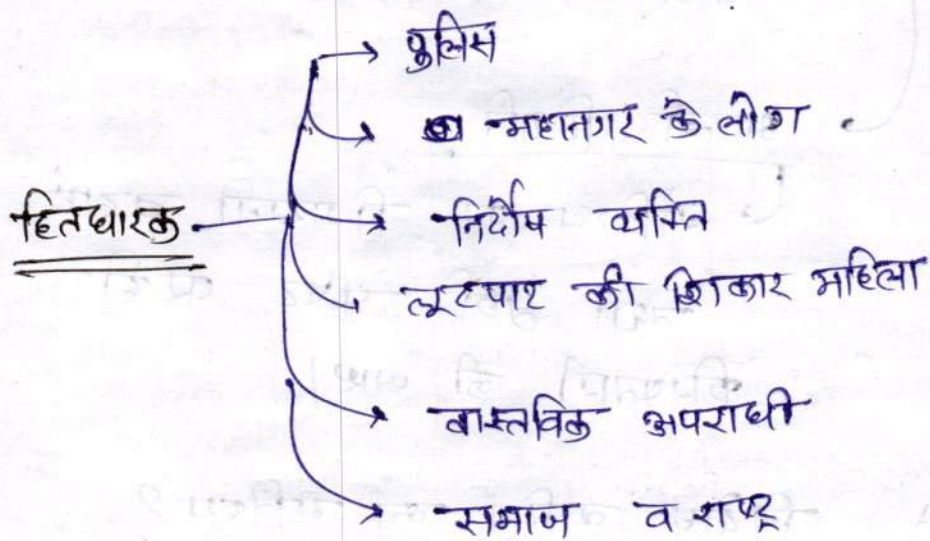
उम्मीदवारों को
इस छवि में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

With reference to this case study, answer the following:

- (a) What are the issues involved in this case?
(b) What measures can be taken to minimize the negative implications of adopting such technologies? (Answer in 250 words)

उम्मीदवारों को इस दृष्टिकोण में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कानून प्रवर्तन में नयी तकनीकों के प्रयोग की ब्रेकथ्रू के रूप में देखा जा रहा है, जैसे में यह केसस्टडी अपने भयानक परिणाम भी दिखाती है।



(9) नैतिक मुद्दे

1* तकनीक का प्रयोग करें या नहीं?

पक्ष कानून व्यवस्था सुधरेगी
अपराधी भयभीत होंगे।
अपराधियों की पहचान व पकड़ आसान।

- मुद्दे
- इस घटना जैसी समस्याएं
 - तकनीक की बुद्धिमत्ता पर संदेह
 - कुविस की विशेषता।

22 तकनीक के परिणामों पर कितना भरोसा करें?

↳ अत्यधिक भरोसा = सीधे गिरफ्तारी पर गलती का खतरा

↳ आदर्श स्थिति

↳ संदिग्ध पर निगरानी बढ़ाएं तथा पूर्ण पुष्टि पर ही गिरफ्तारी की जाए।

23 निर्दोष व्यक्ति का भविष्य?

↳ छुट्टी नौकरी व अगह पर स्वास्ति ठरया जाए।

↳ प्रशासन द्वारा सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों पर गलती स्वीकार की जाए।

4 शिकार महिला के लिए क्या किया जाएँ ?

4 अपराधी को दूढ़ने के प्रयास किए जायें।

(b) ऐसी प्रौद्योगिकियों का नकारात्मक प्रभाव कम करना -

1) पुलिस बल की उपयोग, खेपखन, इनके आधार पर निर्णय करने को लेकर पर्याप्त प्रशिक्षण दिया जाय।

2) तकनीकों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नए डेटा के द्वारा लगातार अपडेट किया जाय।

3) चेहरा पहचान द्वारा अपराधी पकड़ना जैसी संवेदनशील तकनीक का प्रयोग केवल जमीर मामलों में किया जाय।

4) जब तक ये तकनीकें कुलपूफ
नहीं हो जातीं, सैद्धांत की
प्रथम दृष्टया अपराधी की भांति
न देखा जाए।

5) जनता की लगातार अपराध
के खिलाफ जागरूक करते रहना,
शुद्धि तकनीक बिना जनजागृकता
के सफल नहीं होगी।

6) वर्ष भर में तकनीक के सही व
कालत नियमों की समीक्षा।

4 अधिकतम गलत नियम देने
वाली तकनीकें हटा दी जाएं।

“ कानून की प्रभावित,
उन्हे पालन करने के तरीके पर
निर्भर करती हैं। ” (डा. अंबेडकर)

अतः कानून के पालन में
तकनीकों का प्रयोग सावधानीपूर्वक
किया जाए।

8.

रीना और उसके कॉलेज के दोस्त पिछले कुछ महीनों से एक कंपनी में इंटर्न के रूप में काम कर रहे थे। इंटरशिप पूरी होने पर रीना समेत उनमें से कुछ को कंपनी में पूर्णकालिक नौकरी की पेशकश की गई है। एक प्रतिष्ठित कंपनी होने के नाते, उसने और उसके दोस्तों ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। रीना अपनी नई नौकरी को लेकर उत्साहित है और उसने अपनी इंटरशिप के दौरान अपनी कंपनी के कुछ सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध भी स्थापित किए हैं। हालांकि, एक इंटरन के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, रीना ने नोटिस किया था कि कंपनी के वाइस प्रेसीडेंट्स (VPs) में से एक उस पर बहुत अधिक ध्यान दे रहा था। वह रीना के कक्ष में रुकने और बातचीत करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करता था, यह व्यवहार वह किसी अन्य इंटरन के साथ नहीं कर रहा था। उसने सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर भी रीना से जुड़ने की कोशिश की थी। उसके कुछ को-इंटरन ने भी इस पर ध्यान दिया और VP द्वारा दिए जा रहे अतिरिक्त ध्यान के बारे में रीना पर अनाप-शनाप टिप्पणियां करना शुरू कर दिया।

अब जब उसे पूर्णकालिक पद पर नियुक्त कर लिया गया है, तो उसे डर है कि उसे सीधे इस VP के साथ काम करना पड़ सकता है। हालांकि, VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी अनुचित नहीं किया है या कहा है, अतिरिक्त ध्यान दिए जाने और उसके सहकर्मियों द्वारा भी इस पर ध्यान दिए जाने के कारण वह बहुत असहज हो गई और कार्य पर उसकी एकाग्रता कम हो गई।

कंपनी एक खुले और मैत्रीपूर्ण माहौल को प्रोत्साहित करती है और जब उसे काम पर रखा गया था, तो उसे बताया गया था कि जब भी काम से संबंधित किसी भी असुविधाजनक समस्या का सामना करना पड़े तो उसे हमेशा अपने प्रबंधक से बात करनी चाहिए। हालांकि, वह इस बारे में आधिकारिक तौर पर बोलने को लेकर चिंतित है, क्योंकि VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी गलत नहीं किया है।

दी गई स्थिति में:

- रीना को किन दुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है?
- उसके पास क्या विकल्प हैं? प्रत्येक के गुण और दोष बताइए।
- उसके द्वारा अपनाई जाने वाली कार्रवाई को रेखांकित कीजिए, साथ ही उसका औचित्य सिद्ध कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Rina and her friends from the college were working as interns with a company for the last few months. On completion of their internship, some of them, including Rina, have been offered full-time jobs in the company. Being a reputed company, she and her friends accepted the offer. Rina is enthusiastic about her new job and has even established good relationship with some of her company co-workers during her internship. However, during her tenure as an intern, Rina had begun to notice that one of the Vice-Presidents (VPs) of the company was giving her too much attention. He used to make an extra effort to stop by Rina's cubicle and chat, something he was not doing with any of the other interns. He had even tried to connect with Rina over social networking sites. Some of her co-interns also noticed this and began to make offhand comments to Rina about the extra attention being given by the VP.

Now that she has been hired for a full time position, she is fearful that she might have to work with this VP directly. While he has not done or said anything explicitly inappropriate, the extra attention and the fact that her co-workers noticed it, made her very uncomfortable and undermined her concentration at work.

The company encourages an open and friendly atmosphere and when she was hired, it was communicated to her that she should always speak to her Manager whenever faced with any uncomfortable work related issues. However, she is concerned to speak about it officially, as the VP has not explicitly done anything wrong.

उम्मीदवारों को
इस स्थिति में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

रीना,
कॉलेज के दोस्तों
के साथ-साथ
पूर्णकालिक
नौकरी
को-वर्करों से
संबंधित
सोशल मीडिया
पर भी
ध्यान दे रही
थी।
उसने
को-इंटरन
से भी
जुड़ने की
कोशिश
की थी।
उसके
कुछ
को-इंटरन
ने भी
इस पर
ध्यान
दिया
और
VP
द्वारा
दिए
जा रहे
अतिरिक्त
ध्यान
के बारे
में
रीना
पर
अनाप-
शनाप
टिप्पणियां
करना
शुरू
कर
दिया।

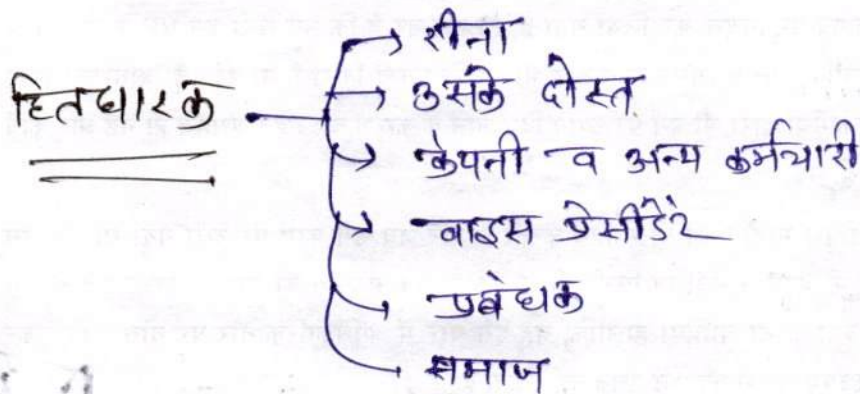
In the given situation:

- (a) What dilemmas does Rina face?
(b) What options does she have? Provide the merits and demerits of each.
(c) Highlight the course of action she should adopt, along with justification for the same.
(Answer in 250 words)

उम्मीदवारों को
इस शीट में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

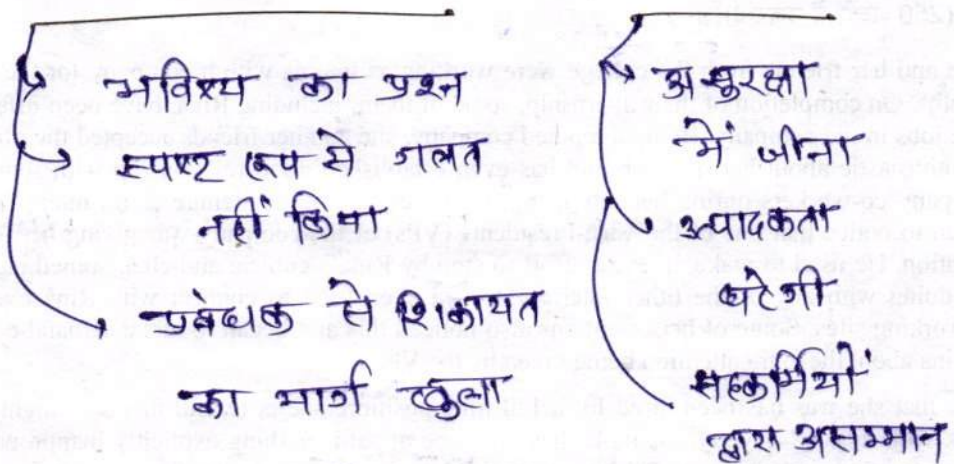
20

कार्यक्षेत्र में महिलाओं की असुरक्षा
की रेखांकित करती यह किस स्वी
परिब समाधानों की मांग करती है।



(a) रीना के समक्ष चुनौतियाँ -

(i) नौकरी पर बने रहना या त्यागना



(ii) प्रबंधक से शिकायत कर दे या नहीं

प्रबंधक वरुस प्रेसीडेंट का व्यवहार असामान्य था।

→ सुरक्षा भावना मिलेगी

केवल अनभ्यस्त भी हो सकता है।

→ बिना कृत्य के शिकायत शायद न धुनी जाए।

(iii) वरुस प्रेसीडेंट को समझा दे या नहीं

→ वो आशेष क्षरिज कर सकते हैं।

→ कंपनी में रीना की दृष्टि खरल हो सकती है।

→ वरुस के कृत्य बदल सकते हैं।

(b) रीना के समझ उपलब्ध विकल्प

(1) नेकरी से त्यागपत्र दे देना

उपक्ष → सुरक्षा से जीवनयापन नहीं अगर नेकरी मिल जाएगी संकेह में जीवित रहना, अच्छा नहीं है।

(ii) विपक्ष → वरुस प्रेसीडेंट ने कुलकर कुद गलत नहीं किया।
→ रोजगार व आय पर संकेह

(2) यथास्थिति बनार रचना -

i) पक्ष → रोजगार बना रहेगा
संवतः प्रमोशन या स्थानांतरण
द्वारा वह वाइस प्रेसिडेंट से
दूर चली जाए।

ii) विपक्ष → हर समय असुरक्षा में
थीना
वाइस प्रेसिडेंट इसे उसकी
प्रती भी समझ सकते हैं।

(3) प्रबन्धक से लेकर वाइस प्रेसिडेंट
की शिकायत कर देना -

i) पक्ष → असुरक्षा भावना समाप्त
रोजगार भी बना रहेगा
वाइस प्रेसिडेंट का पक्ष स्पष्ट
हो जाएगा।

ii) विपक्ष → बिना आधार के शिकायत
से छवि गिरेगी
संवतः वाइस प्रेसिडेंट
के खिलाफ गलत भावना
हेतु कार्यवाही हो जाए।

(C) रीना द्वारा अपनाई जाने वाली कार्यवाही-

उम्मीदवारों को
इस इतिहास में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

① " असाधारण परिस्थिति में असाधारण
निर्णय " के अनुसार खतबंद को
सूचना दे देना कि मुझे ऐसी
आशंकाएं हैं।

↳ " कृत्य से ज्यादा डरावे का महत्व
है। " (बुद्धिदृष्ट दर्शन)

② अपने कार्य पर लग जाना तथा वाइस
प्रेसीडेंट की अनुचित मांगों (कक्ष में
रुकना) आदि का विरोध।

③ यदि वाइस प्रेसीडेंट द्वारा अश्लील व्यवहार
या टिप्पणी किया जाए तो संस्थान
की आंतरिक शिकायत समिति (पाश अर्थात्)
में शिकायत।

④ सहकर्मियों को विश्वास में लेना
इन तरीकों का प्रयोग
कर रीना कार्य भावना व असुरक्षा
भावना में संतुलन बना सकती है।

9.

आपको हाल ही में एक ऐसे जिले में नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है, जहां परीक्षाओं में सामूहिक नकल एक नियमित घटना है। मीडिया रिपोर्ट्स में जिले में माध्यमिक विद्यालय की परीक्षा दे रहे छात्रों को उत्तर चिट देने के लिए माता-पिता और रिश्तेदारों को स्कूल की दीवारों एवं इमारतों को फांदते हुए दिखाया गया है। इसके अलावा, नए तकनीकी उपकरणों के आगमन के साथ, परीक्षाओं में नकल करना और अधिक परिष्कृत हो गया है एवं परीक्षा नियमों का खुले तौर पर उल्लंघन किया जा रहा है। जांच करने पर, यह पता चला है कि ये रैकेट कई स्कूल अधिकारियों द्वारा चलाए जाते हैं, जिनमें परीक्षा पर्यवेक्षक भी शामिल हैं, जो मुख्य रूप से शिक्षक हैं और वे मुनाफे के लिए एक-दूसरे से मिले हुए हैं। कर्मचारियों की कमी के कारण, पर्यवेक्षक कोई कार्रवाई किए जाने पर सामूहिक हड़ताल पर जाने की धमकी देते हैं। परीक्षाएं आयोजित करना, नकल के कारण उन्हें रद्द करना और पुनः परीक्षाएं कराना सरकार के लिए समय और धन की हानि है तथा यह दुष्चक्र चलता रहता है।

जिले के नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में, निम्नलिखित प्रश्नों का समाधान कीजिए:

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- प्रस्तुत प्रकरण में आप समस्याओं का समाधान कैसे करेंगे?
- विभिन्न परीक्षाओं में नकल के खतरे से निपटने के लिए क्या दीर्घकालिक रणनीति अपनाई जानी चाहिए?
(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

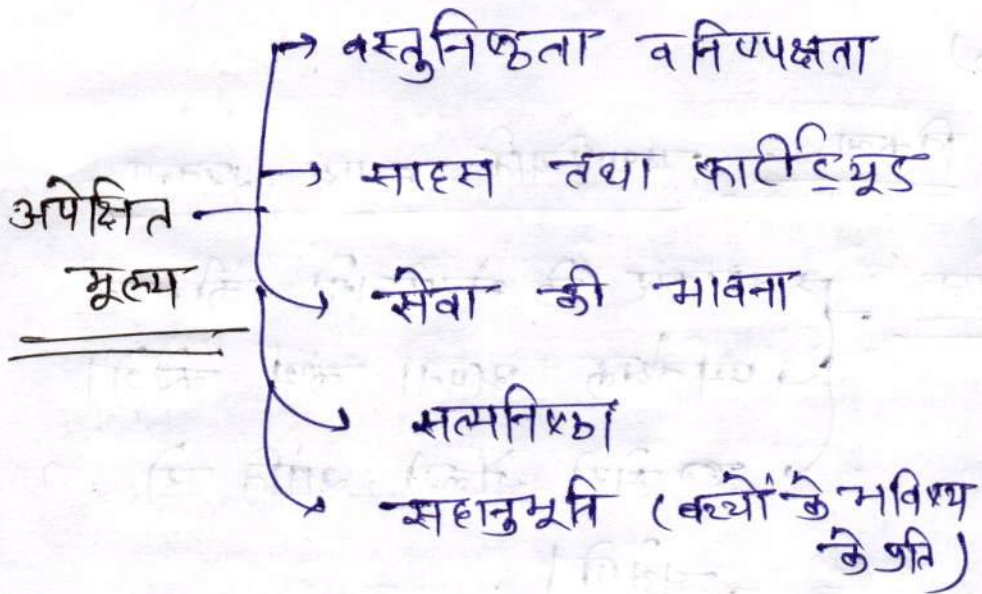
You have recently been posted as a Nodal Education Officer in one of the districts, where mass cheating in examinations is a regular phenomenon. Media reports have shown parents and relatives scaling school walls and buildings to pass answer sheets to students taking secondary school examinations in the district. Moreover, with the advent of new technological devices, cheating in examinations has become more sophisticated and exam rules are flouted openly. On investigation, it has come to your notice that these rackets are run by many school authorities, including exam invigilators who are mostly teachers, and they are hand in glove for profits. With a shortage of staff, invigilators threaten go on mass strikes if any action is taken. Conducting the exams, cancelling them on account of cheating and having re-exams are a loss of time and money for the government and this vicious cycle goes on.

As the Nodal Education Officer of the district, address the following questions:

- What are the ethical issues involved in the above case?
- How will you resolve the issues in the given case?
- What long-term strategy needs to be adopted to deal with the menace of cheating in various examinations? (Answer in 250 words)

20

राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तराखण्ड
आदि राज्यों में हाल ही में नकल
की बापक बतारें देखी जमीं
यह ठेस एही स्कूली परीक्षा में
इस समस्या पर बात करती है।



- (a) नैतिक मुद्दे -
- परीक्षा संचालन बनाम ईमानदारी ले परीक्षा संचालन
 - पर्यवेक्षकों का दवाब बनाम बच्चों का भविष्य
 - सरकार के धन की बचत बनाम भविष्य की उत्पादक जनसेवा तैयार करना।
 - वस्तुनिष्ठता का पालन बनाम भ्रष्टाचार को देखते रहना।
 - राज्य की दृष्टि की रक्षा बनाम राज्य के सैनिकों की बचत।

(b)

(1) विकल्प-1 - समास्थिति बनाए रखना

पक्ष → सरकार के संसाधनों की कमत पर्यवेक्षक अपना कार्य करेंगे।
→ हमारी जेठरी, शांति से चलेगी।

विपक्ष → अंतरात्मा के विरुद्ध बच्चों का भविष्य बर्बाद पर्यवेक्षकों को अनेक कार्य हेतु प्रोत्साहन।

(2) विकल्प-2 - कार्यवाही करना व ये सब बंद करना

पक्ष → अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन योग्य बच्चों का अगिबाना लंबे समय में मानवसंसाधन विकास।

विपक्ष → सरकार के संसाधनों पर दबाव पर्यवेक्षकों के हस्ताक्षर पर जाने से कार्यक्षमता बच्चों के माता-पिता द्वारा विशेष की संभावना

(3) जो समाधान में हूंगा -

~~जो~~ कार के 'कर्तव्य के लिए कर्तव्य'

का पालन करते हुए -

① राज्य के शिक्षा विभाग में सूचना देकर, कार्यवाही में समर्पण की मांग करूंगा।

② मीडिया के माध्यम से बच्चों के माता-पिता को इसके हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक बनाऊंगा।

③ अव्यवस्थित समय के लिए अन्य बिलों से पर्याप्त बजट बटाना।

④ सेंसर पर कार्यवाही व गिरफ्तारियाँ

⑤ सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों में लगातार टीम भेजकर निगरानी

⑥ लंबे समय में जागरूकता अभियानों, एनपीओ की मदद लेना।

(C) दीर्घकालिक राजनीति →

- ① छोटे नकल शैली कानून बनाए जाएं
↳ जैसे - अंतराष्ट्रीय में बनाया गया।
- ② देशियों पर बिना राजनीतिक दबाव के कार्यवाही = जरूरी बंदे।
- ③ संविधान स्कूल, कॉलेजों की मैपिंग तथा बंधा सेंटर न बनाए जाएं
↳ म.प्र. पटवारी परीक्षा में कई साल से बंद पड़े कॉलेज में सेंटर दिया गया।
- ④ नयी तकनीकों का प्रयोग
↳ सीसीटीवी, वेबकैम

“ शिक्षा का उद्देश्य दर्पणों को खिड़कियों में बदलना है। ” (विजयी हैरिस)

अतः इसकी स्वच्छता की रक्षा की जानी चाहिए।

गहरे समुद्र में ड्रिलिंग के अनेक समर्थकों का तर्क है कि हिंद महासागर से बड़ी मात्रा में दुर्लभ-भू धातुओं के दोहन से भारत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को बढ़ावा देने, इसकी अर्थव्यवस्था और कार्यबल को मजबूत करने एवं रणनीतिक खनिजों की भरोसेमंद आपूर्ति प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार ने समुद्र तल से 6,000 मीटर की गहराई में हिंद महासागर के तल से निकेल, कोबाल्ट, मैंगनीज और आयरन हाइड्रॉक्साइड के खनन की विधियों का अध्ययन करने के लिए 540 मिलियन डॉलर के एक कार्यक्रम को मंजूरी दी है। सरकार का तर्क है कि यह परियोजना 100 वर्षों तक भारत की संवृद्धि को शक्ति प्रदान कर सकती है। यह जलवायु परिवर्तन का भी अध्ययन करेगा, समुद्री वनस्पतियों और जीवों का पता लगाएगा एवं तापीय ऊर्जा का उपयोग करेगा।

हालांकि, एक प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण का आरोप है कि गहरे समुद्र में ड्रिलिंग से पर्यावरण को अत्यधिक खतरा है। स्वतंत्र भूवैज्ञानिकों द्वारा संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था पर एक व्यापक रिपोर्ट में कहा गया है कि "जब तक गहरे समुद्र में खनन की आवश्यकता और इसके संभावित परिणामों को बेहतर ढंग से नहीं समझा जाता है, तब तक इस अवधारणा को एक संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था की परिभाषा के साथ संरेखित करना वैचारिक रूप से कठिन है। इसके अलावा यह विभिन्न पर्यावरणीय, कानूनी और शासन संबंधी चुनौतियों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के संधारणीय विकास लक्ष्यों के साथ संभावित टकराव के मुद्दों को भी उत्पन्न करता है।"

यह इस बात पर भी प्रकाश डालता है कि सरकारी समर्थन या तुलनात्मक रूप से कम करों के बिना, राष्ट्रीय खनन कार्यों की लाभप्रदता संदिग्ध बनी हुई है। यदि परिचालन लाभदायक होता है, तो यह मानवता की साझी विरासत से प्राप्त संसाधन से होने वाले लाभ के न्यायसंगत बंटवारे के बारे में भी प्रश्न उठाएगा।

इसके अतिरिक्त, BMW, वोल्वो, गूगल और कोरियाई बैटरी निर्माता सैमसंग SDI जैसी कंपनियों ने एक बयान में गहरे समुद्र में खनन से उत्पन्न धातुओं को तब तक नहीं खरीदने की प्रतिबद्धता प्रकट की है, जब तक कि इस गतिविधि के पर्यावरणीय जोखिमों को "व्यापक रूप से समझा नहीं जाता" है।

उपर्युक्त जानकारी के संदर्भ में, निम्नलिखित पर ध्यान दीजिए:

- प्रस्तुत प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- महासागरों की संधारणीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास के दृष्टिकोण को कैसे प्राप्त किया जा सकता है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Many proponents of deep-sea drilling argue that tapping into the vast amount of rare earth elements in the Indian Ocean will help shore up national security interests for India, bolster its economy and workforce, and offer a reliable supply of strategic minerals. Keeping this in mind, the government has approved a \$540-million programme to study ways of mining nickel, cobalt, manganese and iron hydroxide from the bed of the Indian Ocean 6,000 meters below sea level. The government argues that the project can power India's growth for 100 years. It will also study climate change, explore marine flora and fauna and harness thermal energy.

However, a competing point of view alleges that deep ocean drilling poses immense risk to the environment. A comprehensive report on Sustainable Ocean Economy by independent geologists states that "until the need for, and potential consequences of, deep-sea mining are better understood, the concept is conceptually difficult to align with the definition of a sustainable ocean economy and raises various environmental, legal and governance challenges, as well as possible conflicts with the UN Sustainable Development Goals."

It also highlights that the profitability of national mining operations, without governmental support or comparably low taxes, remains questionable. If the operations are profitable, it will also raise questions about the equitable sharing of profits derived from a resource taken out of humanity's common heritage.

Additionally, companies like BMW, Volvo, Google and Korean battery maker Samsung SDI, vowed in a statement to not buy metals produced from deep-sea mining until the environmental risks of the activity are "comprehensively understood."

उम्मीदवारों को इस खण्ड में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

In the context of the above-stated information, address the following:

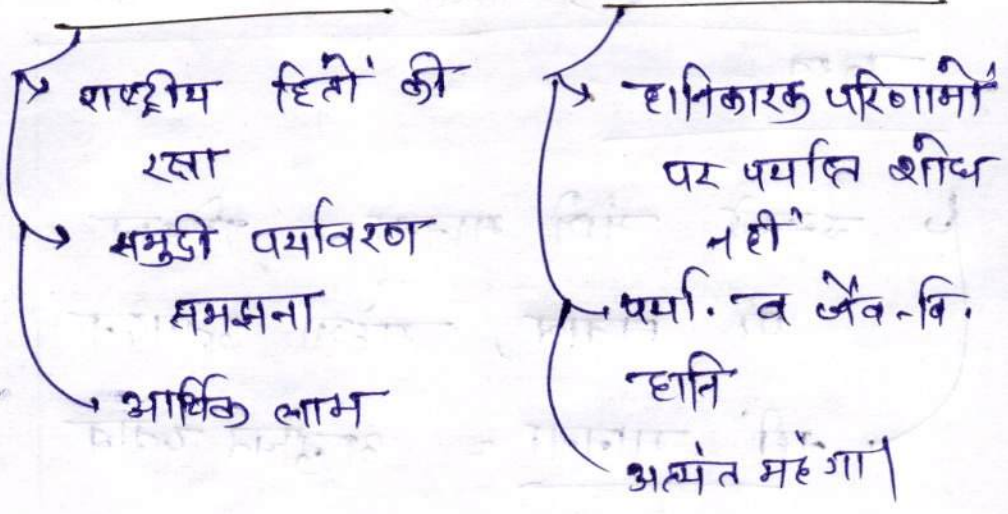
- (a) What are the ethical issues in the given case study?
(b) How can the vision of economic development of a nation be achieved without adversely affecting the sustainability of oceans? (Answer in 250 words) 20

भारत सरकार के 'ब्लू अर्थव्यवस्था'
तथा 'डीप ओशन मिशन' के परिप्रेक्ष्य
में इस किस स्वी को समझा जा
सकता है।

द्वितीयक → तीसरे देश की सरकार
→ समुद्री जैव-विविधता
→ संरक्षण पर्यावरण
→ कंपनियां
→ भू-वैज्ञानिक
→ समाज
→ अंतर्राष्ट्रीय शासन

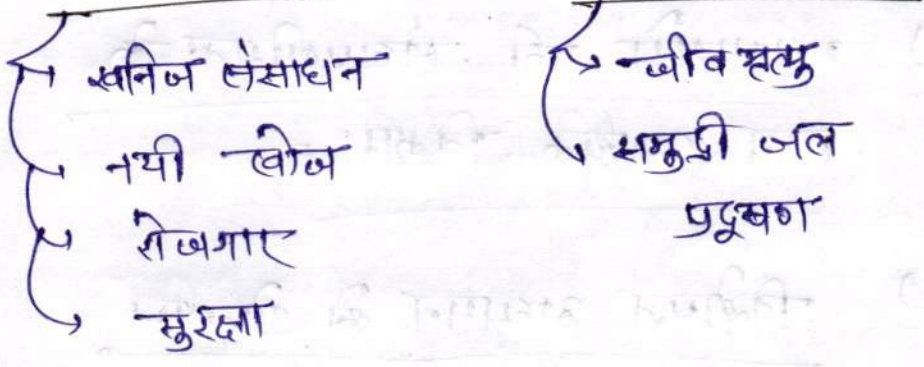
(A) नैतिक मुद्दे -

(1) डीप सी खनन बनाम न करना

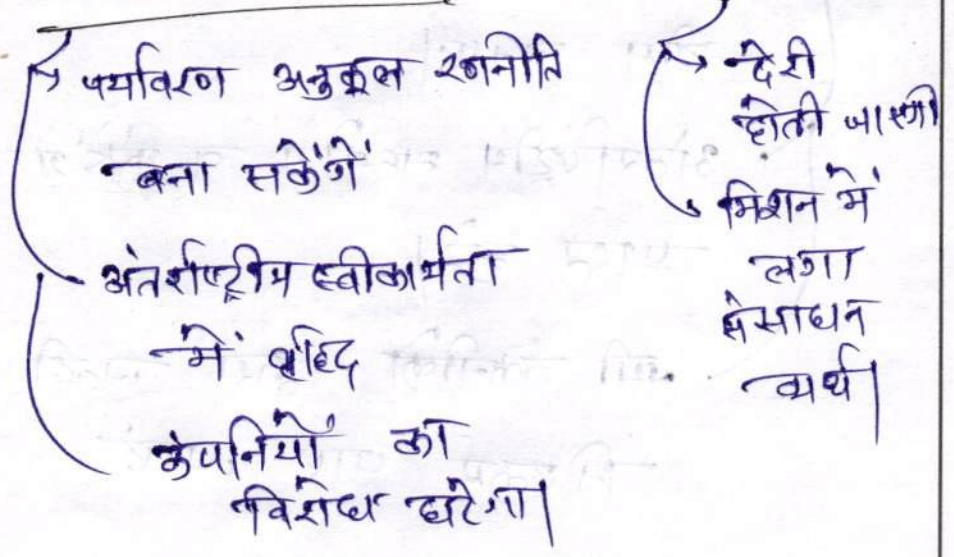


उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(2) राष्ट्रीय हित बनाम पर्यावरणीय हित



(3) आपक अभ्यास का इंतजार करना या नहीं



(4) कंपनियों (BMW, वील्डो) की बेकर

उत्प

इनकी मंजी मानता = मिशन
पर तवाल, महेगा उत्पादन
नहीं मानना = अनुरित दवाब
बनाना।

(b) महासागरों की संधारणीयता के
साथ आर्थिक विकास

(i) विशेषज्ञ अध्ययन को प्रोत्साहन

सरकार भू-वैज्ञानिकों की
टीम बनाए।
अंतरराष्ट्रीय सहयोग व फंडिंग
प्राप्त करे।
नयी तकनीकों द्वारा जल्दी
निष्कर्ष प्राप्त करें।

उम्मीदवारों को
इस शक्ति में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

५ समुद्री पर्या. पर डीप सी खनन
के व्यापक प्रभाव समझे जायें।

(ii) नियोजित मिशन -

५ जब तक व्यापक जानकारी नहीं
मिलती, ऐसे क्षेत्रों में मिशन
बड़ा कम जैव-वि. है।

५ जानबूझकर कहीं भी जैव-वि.
को हानि न पहुंचायी जाय।

५ समय-समय पर मिशन के पर्यावरण
पर प्रभाव का आकलन लिया
जाय।

“ यदि आपको लगता है कि
आर्थिक विकास का महत्व पर्यावरण
से ज्यादा है, तो येंसे गिनते
समय अपनी साँसे रोकिए।” (मैकफर्सन)

अतः पर्यावरण का संरक्षण करते हुए
विकास करना जरूरी।

11.

श्री वाई ने अपने समुदाय के सदस्यों द्वारा धार्मिक पूजा स्थल के निर्माण हेतु जंगल की तलहटी में स्थित एक शहर में 40 एकड़ जमीन खरीदी। पूजा स्थल की योजना में अनेक परस्पर जुड़ी इमारतों, बालकनियों और पानी के फव्वारों का निर्माण किया जाना था। पूजा का केंद्र होने के अलावा, इस स्थान का उद्देश्य दूर-दूर से आने वाले कई उपासकों के लिए आवास प्रदान करना है। योजना को देखने वाला हर कोई इस बात पर सहमत है कि संरचना असाधारण रूप से सुंदर साबित होगी। विडंबना यह है कि इस स्थल की सुंदरता क्षेत्र के स्थानीय निवासियों के बीच चिंता का मुख्य कारण बन गई है, जिनमें से एक बड़ा प्रतिशत एक अलग धार्मिक समुदाय से है। उनमें से कई लोगों का मानना है कि यह स्थान पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन सकता है, जिससे यातायात की समस्याएं पैदा हो सकती हैं और उनके पड़ोस की शांत जीवन शैली खराब हो सकती है। कम-से-कम, हजारों उपासकों के नियमित रूप से इस स्थान पर आने की उम्मीद है।

कई निवासी सोचते हैं कि उनका पड़ोस न तो इस आकार के परिसर के निर्माण और न ही इतने लोगों, जितनों को समायोजित करने की अपेक्षा की गई है, के लिए यह उपयुक्त है। यहां 1,500 लोगों तक के इकट्ठा होने की अपेक्षा की गई है, हालांकि साइट तक केवल एक दो लेन की सड़क उपलब्ध है। विरोधियों का तर्क है कि इतने ट्रैफिक से आवागमन में समस्याएं पैदा होंगी और बच्चों एवं साइकिल चालकों द्वारा यात्रा के लिए अत्यधिक प्रयोग की जाने वाली सड़कों पर खतरे पैदा होंगे। बढ़ते ट्रैफिक से पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

इस बीच अन्य लोग इस विरोध के पीछे एक और अधिक घातक कारण देते हैं: पूर्वाग्रह। उन्हें आश्चर्य है कि क्या पूजा स्थल पर आपत्ति जताने वाले लोग धार्मिक पूर्वाग्रहों से प्रेरित हैं।

लेकिन निर्माण का विरोध करने वालों का कहना है कि धर्म का इससे कोई लेना-देना नहीं है और वे ऐसे किसी भी प्रकार के विकास का विरोध करते हैं जिससे क्षेत्र में ट्रैफिक जाम हो। अतः, इस मामले में उन्हें सिर्फ आकार और स्थान को लेकर समस्या है।

विरोध के जवाब में, शहर के योजनाकारों ने निवासियों को आश्वासन दिया है कि क्षेत्र के लिए उपयुक्त शहर निर्माण संबंधी सभी दिशा-निर्देशों और ज़ोनिंग नियमों का पालन किया जाएगा। इसलिए उन्हें निर्माण की योजना रोकने का कोई कारण नजर नहीं आता।

हालांकि, विरोधियों का आरोप है कि शहर के योजनाकार सही पर्यावरणीय प्रभाव रिपोर्ट तैयार करने में विफल रहे हैं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने उन निवासियों को ठीक से सूचित नहीं किया, जिनके प्रभावित होने की संभावना है, जबकि यह अभी भी योजना के शुरुआती, लचीले चरणों में है।

(a) आप एक जिला मजिस्ट्रेट हैं और यह क्षेत्र आपके क्षेत्राधिकार में आता है। दोनों पक्षों के लोग अपनी शिकायतें लेकर आपके पास आए हैं। आप दोनों दृष्टिकोणों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए क्या करेंगे?

(b) कार्रवाई के निम्नलिखित संभावित तरीकों के गुण और दोषों का उल्लेख कीजिए:

- (1) क्षेत्र के निवासियों के विरोध को नजरअंदाज करना और धार्मिक पूजा स्थल को मौजूदा नियमों के अनुसार बनाने की अनुमति दे देना।
- (2) नए पूजा स्थल पर भरोसा करने वाले हजारों उपासकों को निराश करते हुए, निवासियों से सहमत होकर निर्माण पर रोक लगा देना।
- (3) एक समझौते के रूप में, आपके द्वारा पूजा स्थल पर भवन निर्माण संबंधी अतिरिक्त नियमों को लागू किया जाना या डिजाइन में संशोधन पर बल दिया जाना। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mr. Y. purchased 40 acres of land in a city located in the forested foothill for the construction of a place of religious worship by members of his community. The plans for the worship place called for numerous interconnected buildings, balconies, and water fountains. In addition to being a centre for worship, the place is intended to provide a residence for many worshippers who travel from far-off locations. Everyone looking at the plan agrees that the structure should prove to be extraordinarily beautiful. Ironically, the beauty of the site has become a chief cause for concern among the local residents of the area, a significant percentage of whom belong to a different

religious community. Many of them believe that the place may become a tourist attraction, causing traffic problems and the degradation of the tranquil lifestyle of their neighbourhood. At the least, thousands of worshippers are expected to visit the place regularly.

Many residents think their neighbourhood is not suitable for a facility of this size, nor for the number of people it is expected to accommodate. The congregation plans to have gatherings of up to 1,500 people, though only a single two-lane road approaches the site. The traffic, opponents argue, will cause commuting problems and introduce hazards on roads frequented by children and bicyclists. Increased traffic could also have an adverse impact on the environment.

Meanwhile others see a more insidious reason behind the opposition: prejudice. They wonder if those who object to the worship place are motivated by religious biases.

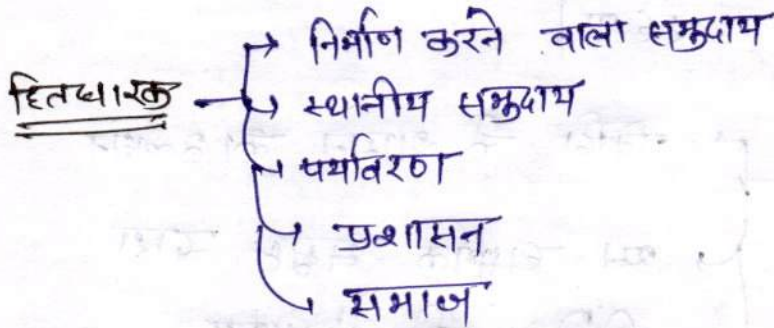
But those who oppose the construction insist that religion has nothing to do with it and they are opposed to any type of development that would lead to traffic congestion in the area. So, they just have an issue with the size and location in this case.

In answer to the opposition, city planners have assured the residents that all of the city's guidelines and zoning regulations relevant to the area will be followed. They see no reason to stop the plan of construction.

However, the opponents allege that the city planners have failed to prepare an adequate environmental impact report and, more importantly, did not properly notify residents, who are likely to be affected, while it was still in its nascent, flexible stages of planning.

- (a) You are a District Magistrate and the area lies in your jurisdiction. People from both sides have approached you with their grievances. What would you do to reconcile the two points of view?
- (b) Mention the merits and demerits of the following potential courses of action:
- (1) Ignore the opposition from the residents of the area and allow the place of religious worship to be built in accordance with the existing regulations.
 - (2) Prohibit the construction, agreeing with the residents while causing distress among the thousands of worshippers counting on the new place of worship.
 - (3) As a compromise, you place additional building regulations on the worship place or insist on modifications to the design. (Answer in 250 words)

उम्मीदवारों को
इस हिसाब में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin



(B)

- (1) क्षेत्र के निवासियों का विरोध को नजरअंदाज करना व मौजूदा इज्जात स्थल को अनुमति देना -

पक्ष → इस स्थल निर्माण = पर्यटक आगमन
में 'नियमों' के पालन का
आश्वासन दे रहे हैं।

विपक्ष → स्थानीय समुदाय का विशेष
बढ़ सकता है = तनाव ↑
पर्यावरण को क्षति की
संभावना

(2) निर्माण कार्य पर रोक लगा देना -

पक्ष → पर्यावरण का संरक्षण
स्थानीय समुदाय प्रसन्न
रहेगा।

विपक्ष → विधि के शासन को उल्लंघन
इस धार्मिक समूह द्वारा
विशेष की संभावना
पर्यटक नहीं आएंगे =
आर्थिक हानि।

(3) अतिरिक्त नियम या डिजाइन में संशोधन -

उम्मीदवारों को
इस हिसाब में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

पक्ष -> पर्यावरण क्षति को न्यूनतम
किया जा सकेगा।
-> स्थानीय समुदाय भी
सहमत हो सकता है।

विपक्ष -> निर्माण कार्य में वृद्धि
दोनों पक्षों के असंतुष्ट
रह जाने का खतरा।

(A) बेसी कार्यवाही -

में, 'सदृष्टता' व 'सर्वधर्म समभाव'
के मूल्यों का पालन करते हुए
निम्न कदम उठाऊंगा -

① निर्माण कार्य की व्यापक समीक्षा
करकर पर्यावरण पर प्रभाव
का अंकित।

② दोनों समुदायों के महत्वपूर्ण व्यक्तियों
की शामिल कर निर्णय की
प्रक्रिया।

③ यदि पर्यावरण व स्थानीय समुदाय
के संरक्षण हेतु आवश्यक हो
तो अतिरिक्त नियम जोड़ना।

④ निर्माण कार्य को इन सावधानियों
के साथ अनुमति पर समय-समय
पर निगरानी करते रहना।

⑤ बच्चों व साक्षिल बालकों हेतु
अतिरिक्त बेन का निर्माण।

"साधन की पवित्रता भी
साध्य की पवित्रता जितनी ही

आवश्यक है।" (ग्रांथी) अतः

पर्यावरण व स्थानीय समुदायों
के हितों की रक्षा के साथ
निर्माण कार्य किया जाए।

आप एक ऐसे राजनीतिक दल के टिकट पर चुने गए जनप्रतिनिधि हैं, जिन्हें कई लोग रूढ़िवादी मानते हैं। आपकी बेटी, जो वर्षों बाद विदेश से पढ़ाई करके लौटी है, ने आपको दूसरे समुदाय के व्यक्ति से शादी करने की अपनी इच्छा से अवगत कराया है। आप व्यक्तिगत रूप से उसकी पसंद में कुछ भी गलत नहीं मानते हैं और उसे अपनी सहमति से अवगत कराते हैं। आप अपने कई दोस्तों और परिवार वालों से भी इस बारे में चर्चा करते हैं और उन्हें बताते हैं कि आप अपनी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की योजना बना रहे हैं। हालांकि, आपके द्वारा आगामी भव्य शादी की खबर कई लोगों के साथ साझा करने के कुछ दिनों बाद, आपके राजनीतिक सचिव ने इसे एक मुद्दा बनाए जाने के बारे में सूचित किया है। वह आपको सूचित करता है कि आपके निर्वाचन क्षेत्र में कई लोगों के बीच इस बारे में कानाफूसी हो रही है और कुछ प्रमुख नागरिकों के बीच बेचैनी की भावना के संकेत हैं। हालांकि, उनमें से अधिकांश आपकी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की आपकी योजना से मंत्रमुग्ध हैं, किंतु वे दूल्हे के दूसरे समुदाय से होने के कारण नाखुश हैं। आपको पार्टी में अपने सूत्रों से यह भी पता चल रहा है कि दूल्हे की पसंद पर आपकी सहमति से आगामी चुनाव में हाईकमान आपको टिकट देने से इनकार कर सकता है। आप न केवल एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ और अपनी राजनीतिक पार्टी के एक उभरते सितारे हैं, बल्कि एक खुले विचारों वाले, प्यारे और स्नेही पिता भी हैं। लेकिन आप अपनी बेटी की आजादी और पसंद से कितना भी प्यार करते हों, आप नहीं चाहेंगे कि उसके फैसले का आपकी राजनीतिक यात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। यह तब और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, जब आप एक राजनेता के रूप में अपनी वर्षों की कड़ी मेहनत को देखते हुए, बड़ी जिम्मेदारियों और पार्टी में एक ऊंचे कद की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे थे। दूसरी ओर, आपकी बेटी अपनी पसंद पर दृढ़ है और नहीं चाहती कि उसकी होने वाली भव्य शादी किसी भी तरह से प्रभावित हो। वह इस बात पर अड़ी हुई है कि उसकी शादी केवल करीबी दोस्तों और परिवार के साथ एक निजी समारोह के रूप में आयोजित नहीं की जाएगी, बल्कि इसे भव्य तरीके से प्रचारित किया जाना चाहिए, जैसा कि आपने उससे पहले वादा किया था।

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

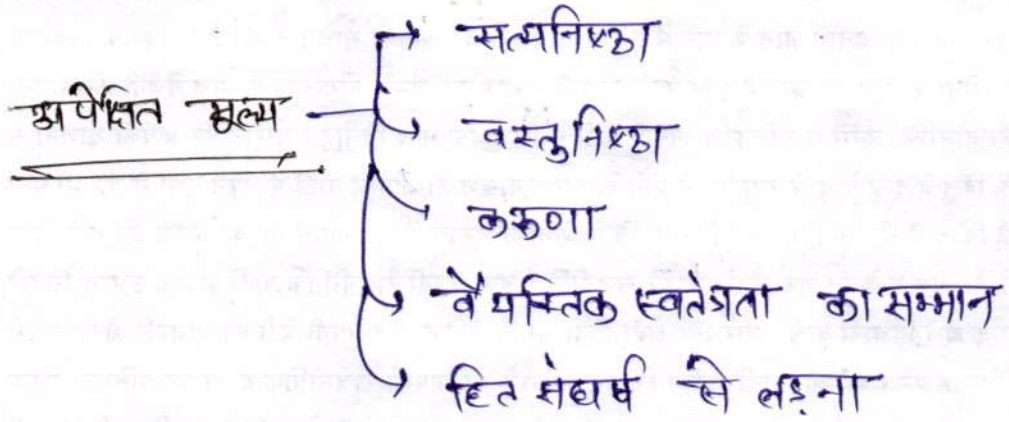
- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- एक पिता और एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ के रूप में आपके पास उपलब्ध विभिन्न विकल्प क्या हैं?
- आपकी कार्रवाई का तरीका क्या होगा? उचित तर्क सहित पुष्टि कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a public representative, elected on the ticket of a political party, considered as conservative by many. Your daughter, who has returned years after studying abroad, has conveyed to you her choice of marrying a person from another community. You personally do not consider anything wrong in her choice, and convey your assent to her. You also discuss it with many among your friends and family, and inform them of a grand wedding ceremony you are planning for your daughter. However, a few days after you have shared the news of the forthcoming grand wedding with many, you are informed by your political secretary about an issue being made of the same. He informs you that there are whispers among many people in your constituency about it, and indications of a sense of unease among some prominent citizens. While most of them are enamoured by your plans for a grand wedding ceremony for your daughter, they are unhappy about the bridegroom being from another community. You also get to know through your sources in the party, that your assent to the choice of the bridegroom may lead to a denial of ticket by the high command in the forthcoming elections. You are not only an ambitious politician and a rising star in your political party but also an open-minded, loving and doting father. But howsoever much you love your daughter's freedom and choices, you do not want her decision to adversely affect your political journey. This is more so, when you had been eagerly looking forward to greater responsibilities and a higher stature in the party, given the years of hardwork you have put in, as a politician. Your daughter, on the other hand, is firm with her choice and does not want her impending grand wedding to be affected in any way. She is adamant

that her wedding will not be held as a private ceremony with only close friends and family, but should be publicised in a grand way, as you had promised earlier to her.

Given this situation, answer the following:

- What are the ethical issues in the above situation?
- What are the various options that you have, as a father and an ambitious politician?
- What will be your course of action? Justify with proper reasoning. (Answer in 250 words) 20



निजी व सार्वजनिक हित
में संघर्ष की यह कैसा हठी
वर्तमान भारतीय राजनीति में
प्रसंगिक भी प्रतीत होती है।

(A) नैतिक मुद्दे -

- पिता बनाम राजनेता
- बेटी का हित बनाम राजनीतिक हित
- व्यक्तिगत शर्म बनाम समाज की शर्म
- बेटी का दवाव बनाम राजनीतिक दवाव

(5) सत्यनिष्ठा (अपनी बात पर अड़े रहना)

बनाम

हित के लिए मुकर जाना।

(6) सम्प्रदाय अलग होने का महत्व न मानना

बनाम

समाज के दरवाजे में स्वीकार कर
बैठना।

(B)

(1) बेटी की पसंद के अनुरूप भव्य

विवाह करता -

पक्ष → वैयक्तिक संतुष्टि
बेटी की पसन्दता = पिता
की जिम्मेदारी का निर्वहन
अंतरात्मा की आवाज
सुनना (गांधी ने इसे
सबसे ऊँचा माना)

विपक्ष → समाज में नाराजगी
राज. भविष्य पर खतरा

उम्मीदवारों को
इस हदिये में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

(2) रवि. देवाक को मान लेना तथा
खादी लुड़ा देना -

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

पक्ष → रवि. भविष्य के लिए अर्थात्
भविष्य में बड़े पदों की
प्राप्ति
→ कुआव जीतने की संभावना
में सहित।

विपक्ष → बेटी के साथ अन्धाय
अंतर्गत्मा का संकर
दूसरे समुदाय में
असंतोष

(3) बेटी की पसंद मानना पर दोटा
कार्यक्रम रखना -

पक्ष → पिता की जिम्मेदारी पूर्ण
→ कम राज. कुक्षान

विपक्ष → सत्प्रतिष्ठा के खिलाफ
→ बेटी द्वारा विशेष
→ तब भी पता लगने
की संभावना।

(C) मेरी कार्यवाही →

"कभी अंतराल के विरुद्ध निर्णय मत
कीजिए, मझे ही राज्य आपसे ऐसी
अपेक्षा करे।" (आइ.सटाईन)

① तब कार्यक्रम के अनुसार मजदूरी
समारोह में बेरोजगारी की शादी
करेगा।

② समाज के वरिष्ठ लोगों को
अपनी बात समझाने का प्रयास
करेगा।

③ राज. दल में अपने विकास के
दम पर टिकट की मांग व
अपनी विचारधारा समझाने का
प्रयास।

④ अगर फिर भी पार्टी से बेरोजगारी
विचारधारा नहीं मिलती तो त्यागपत्र
देकर, इस प्रकार की विचारधारा
की पार्टी में शामिल।

इस प्रकार इस मैनिफेस्टो
दुविधा का समाधान
दिखा जा सकता है।

उम्मीदवारों को
इस हदिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

SPACE FOR ROUGH WORK

यह प्रश्नोत्तर सत्र के लिए प्रस्तावित है
दिए गए प्रश्नों का उत्तर लिखिए -
(प्रश्नसंख्या 1) के अंदर

यह प्रश्नोत्तर के अंतर्गत है (1)

विश्वविद्यालय दिल्ली के अंतर्गत
विश्वविद्यालय दिल्ली

के अंतर्गत है (2)

विश्वविद्यालय दिल्ली के अंतर्गत
विश्वविद्यालय दिल्ली

के अंतर्गत है (3)

विश्वविद्यालय दिल्ली के अंतर्गत
विश्वविद्यालय दिल्ली के अंतर्गत
विश्वविद्यालय दिल्ली के अंतर्गत

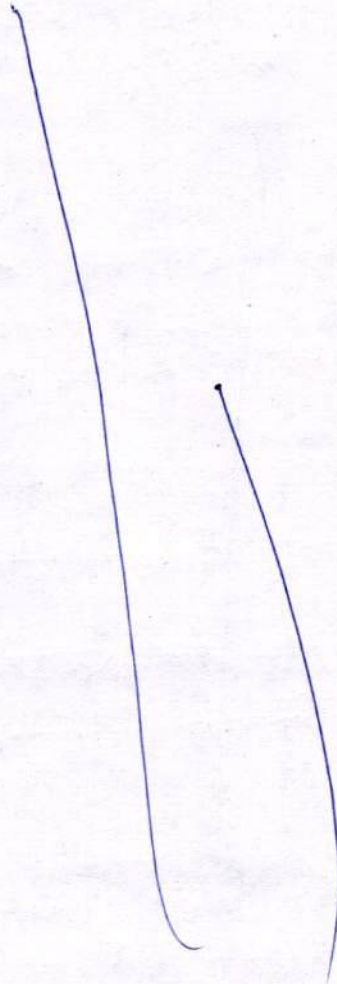
विश्वविद्यालय दिल्ली के अंतर्गत है (4)

विश्वविद्यालय दिल्ली के अंतर्गत है
विश्वविद्यालय दिल्ली के अंतर्गत है

विश्वविद्यालय दिल्ली के अंतर्गत है

विश्वविद्यालय दिल्ली के अंतर्गत है
विश्वविद्यालय दिल्ली के अंतर्गत है

SPACE FOR ROUGH WORK



SPACE FOR ROUGH WORK

AL

